Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–239

B.A. (Part–II) N.C. Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - I

(रीतिकालीन काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **50** शब्द) :

   (i) 'रामचन्द्रिका' की संवाद-योजना क्यों प्रभावशाली है ?

   (ii) बिहारी की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए।

(iii) सेनापति की श्लेष अलंकार योजना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(iv) भूषण के काव्य का मूल प्रतिपाद्य।

(v) घनानंद रीतिमुक्त धारा के कवि क्यों हैं ?

(vi) गिरधर कविराय की नीति-विषयक कुंडलियों की विषय-वस्तु का परिचय दीजिए।

(vii) रीतिकाल की प्रमुख धाराएँ कौन-कौनसी हैं ?

(viii) रीतिकालीन काव्यों में भाव-पक्ष प्रधान है या कला-पक्ष ?

(ix) काव्य-हेतु से क्या तात्पर्य है ?

(x) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण दीजिए :

(अ) कवित्त

(ब) मालिनी

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित अवतरणों की सात में से किन्हीं **पाँच** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)।

2. पूरण पुराण अरु पुरुष पुराण परि-
पूरण बतावै न बतावै और उक्ति को।
दरसन देत, जिन्हें दरसन समुझैं न,
'नेति नेति' कहै वेद छाँड़ि आन युक्ति को।
जानि यह केसौदास अनुदिन राम-राम,
रटत रहन न डरत पुनरुक्ति को।
रूप देहि अणिमाहि, गुण देहि गरिमाहि,
भक्ति देहि महिमाहि, नाम देहि मुक्ति को॥

3. मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परैं, स्यामु हरित दुति होइ॥
तंत्री-नाद, कवित्त-रस, सरस राग, रति-रंग।
अनबूड़े बड़े, तरे जे बूड़े सब अंग॥

4. कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलिन कलीन किलकत है।
कहै 'पद्माकर' परागन में पौनहू में,
पालन में पिक में पलासन पगंत है।
द्वार में दिशान में दुनी में देश-देशनि में,
देखो दीप दीपन में दीपत दिगंत है।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में,
कानन में बागन में बगरो वसन्त है॥

5. राजत अखण्ड तेज छाजत सुजस बड़ो,
गाजत गयन्द दिग्गजन हिय साल को।
जाहि के प्रताप सों मलनि आफताब होत,
ताप तजि दुजन करत बहु ख्याल को।
साज सजि गज तुरी पैदर कतार दीन्हें,
'भूषण' भनत ऐसो दीन प्रतिपाल को।
और राव राजा एक मन में न ल्याऊँ अब,
साहू को सराहों कै सराहों छत्रसाल को॥

6. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चले तजि आपनपौ झझकैं कपटी जे निसाँक नहीं।
घनआनँद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक तें दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौ पाटी पढ़े हौ कहौ मन लेहु पैं देहु छटाँक नहीं॥

7. 'बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेय।
जो बनि आवै सहज में, ताही में चित देय।
ताही में चित देय, बात जोई बनि आवै।
दुर्जन हँसे न कोइ, चित्त में खता न पावै।
कहि गिरधर कविराय, यहै करू मन परतीती।
आगे को सुख समुझि, होइ बीती सो बीती।'

8. ''बरन बरन तरु फूले उपबन बन,

सोई चतुरंग संग दल लहियत है।

बदी जिमि बोलत बिरद बीर कोकिल है

गुंजत मधुप गान गुनि गहियत है।

आवै आस-पास पुहुपन की सुबास सोई

सोधे के सुगंध माँझ सने रहियत है।

सोभा कौं समाज सेनापति सुख-साज, आज

आवत बसंत रितुराज कहियत है।''

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **500** शब्द) :

9. ''देव शृंगार के कवि हैं।'' इस कथन के आलोक में देव-काव्य में वर्णित शृंगार रस की विवेचना कीजिए।

10. ''पद्माकर के काव्य में भक्ति, वैराग्य और शृंगार की त्रिवेणी प्रवाहमान है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

11. ''घनानन्द प्रेम की पीर के कवि थे।'' इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

12. रीतिकालीन साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।